फरवरी 2026 में विभिन्न अखबारों में छपे विश्वविद्यालयीन खबरों की कतरनें.....

विवि में व्याख्यान: नीति आयोग की कंसल्टेंट ने छात्रों को मोटिवेट किया

युवाओं के लिए हर दिन अखबार पढ़ना जरूरी, सोशल मीडिया के अतिरेक से बचें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शुक्रवार को विवि में युवाओं को संबोधित करतीं आयोग की कंसल्टेंट।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को "फ्रॉम डिग्री टू डायरेक्शन स्किल, इंटरप्रेन्योरशिप एंड सेल्फ लीडरशिप" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय आईआईसी की क्वार्टर-टू गतिविधि और पीएम उषा घटक के अंतर्गत एमबीए अध्ययनशाला में हुए कार्यक्रम में नीति आयोग की कंसल्टेंट नूपुर गोहरी ने विद्यार्थियों को उद्यमिता, कौशल विकास और नेतृत्व क्षमता पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्टअप की नई लहर है और डेटा एनालिसिस, बैंकिंग, फूड प्रोडक्शन, ब्रांडिंग व पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में नवाचार के अवसर बढ़े हैं। "डेटा इज गोल्ड" की अवधारणा पर काम करते हुए युवाओं को नए अवसर तलाशने चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से अखबार पढ़ने और सोशल मीडिया के अतिरेक से बचने की सलाह देते हुए कहा कि एक अच्छे नेतृत्वकर्ता के लिए समसामयिक ज्ञान जरूरी है। व्याख्यान में उन्होंने संपूर्णता अभियान 2.0, आकांक्षी जिले, ईएसजी, गिग इकोनॉमी, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री पर्याप्त नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, व्यवहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता दिलाते हैं। कार्यक्रम में एमबीए विभाग की हेड रश्मि देवांगन आदि मौजूद थे।

7:06 81%
epaper.navabharat.news/vie

भागवत महापुराण के तहत कल 27 फरवरी शुक्रवार को मां सिद्धिदात्री
हवन यज्ञ किया जाएगा तत्पश्चात मां सिद्धिदात्री की पालकी निकाली जा

mycity

न्यूज कैप्सूल

प्रोफेशनल कैपबलिटी बढ़ाने फैकल्टी को मिले कई टिप्स

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को सभी प्राध्यापकों के लिए सबजेक्ट एक्सपर्ट का टू वे इंटेरेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें दुर्ग और राजनांदगांव के कॉलेजों के विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट प्राध्यापकों ने एनईपी, टीचिंग पैटर्न साहित अन्य अकादमिक एक्टिविटीज को लेकर कई टिप्स दिए। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी की उपस्थिति में गवर्नमेंट वीवायटी पीजी कॉलेज दुर्ग के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों संस्थाएं अब फैकल्टी व रिसर्च स्कॉलर विजिट, रिसर्च पब्लिकेशन आदान-प्रदान, संयुक्त रूप से रिसर्च व सेमिनार में एक-दूसरे को सहयोग करेंगे। वीवायटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा के स्टूडेंट्स को नियमित और अनुशासित रखना फैकल्टी की बड़ी जिम्मेदारी है। फैकल्टी को स्टूडेंट में पाठ्यक्रम के प्रति इंटेरेस्ट

4 जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण पर जुड़ेंगे 1.70 लाख परिवार, वन वि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता के संग्रहण से बस्तर संभाग के चार जिले बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिले में इस बार लगभग एक लाख 70 हजार से अधिक परिवार जुड़ेंगे। हरा सोना के नाम से ख्यात तेंदूपत्ता का संग्रहण ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अतिरिक्त आय का स्रोत है। इससे संग्राहकों को तेंदूपत्ता संग्रहण से होने वाली आय बढ़ी है। बड़े पैमाने पर तेंदूपत्ता का संग्रहण लघु वनोपज के रूप में किया जाता है। तेंदूपत्ता संग्राहक

75 समितियों 119 लॉट व 1711 संग्रहण फड़ में होगा तेंदूपत्ता का संग्रहण

कार्यकारी संचालक ने ली थी बैठक

वन विभाग के जगदलपुर वृत्त के सीसीएफ आलोक कुमार ने बताया कि वृत्त के चारों जिलों में वर्ष 2026 तेंदूपत्ता शासकरीय ... जा रही है, इसके लिए उन्होंने स्थल का भी निरीक्षण किया। ... लघु वनोपज संघ नवा रायपुर के कार्यकारी संचालक संजीता ... तेंदूपत्ता वित्तीय संग्रहण कार्य की समीक्षा बैठक ली। बैठक ... फड़ मुंशी एवं प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में प्रबंध ... वन धन केन्द्रों में किए जा रहे कार्यों, परिवहन, पुरुष संग्राह ... वाली चरण पादुका की चर्चा की।

लोकतंत्र के संकल्प संग 'विकसित भारत युवा संसद का आगाज

युवाओं ने सीखे संसद के नियम और नीति-निर्माण की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद के अंतर्गत आपात के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर 26 फरवरी को संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से वातावरण राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत हो उठा।

- विचारों से विकास तक युवाशक्ति को मिला राष्ट्रीय मंच की ओर बढ़ने का अवसर

कार्यक्रम में युवाओं को भारतीय संसद की कार्यप्रणाली, नियमों तथा कानून निर्माण की प्रक्रिया को समझने का अवसर प्रदान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण और पर्यावरण संतुलन जैसे आयामों पर गंभीरता से कार्य करना होगा। युवा प्रतिभागियों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी बात पहुंचाने के इस मंच को ऐतिहासिक अवसर बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर प्रोफेसर वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय प्रोफेसर स्वप्न कुमार कोल, विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान एवं जनजाति अध्ययनशाला प्रोफेसर एस मिश्रा, विभागाध्यक्ष कलाशंकर डॉक्टर संजीवन कुमार, कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस डॉक्टर सर्जीवन कुमार, विभागाध्यक्ष शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय डॉक्टर विनोद कुमार सोनी, सह प्राध्यापक अंग्रेजी अध्ययनशाला डॉक्टर समीर ठाकुर, विभागाध्यक्ष डॉक्टर सुसुकृता तिर्की, जिला संगठक एनएसएस बस्तर जगदलपुर डॉक्टर मौसमी विश्वास, विद्या एवं मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य खितेश मौर्य, समाजसेवी यज्ञ सिंह, समाजसेवी अमित रामटेके, समाजसेवी पेरश ताटी सहित प्राध्यापकगण,छात्र-छात्राएं एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

इनकी रही सहभागिता

कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें युवाओं को संसद की कार्यप्रणाली समझने और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस द्वारा दिया गया। विभिन्न वक्ताओं ने विकसित भारत की अवधारणा, लोकतांत्रिक मूल्यों और नीति निर्माण की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया। प्रतिभागियों में आकृति शुक्ला, सुनीता बघेल, दिलेश्वरी कश्यप, निखिल कुमार, खिलेश्वर सलाम, हेमंत बघेल, शाहिल कश्यप, कोमल पैकरा, निर्मला नाग, मिथिलेश यादव, मेगु मुचाकी, भुवनेश्वर कश्यप, गार्दे शैलेष, वर्षा बेसरा, हरीश कुमार सहित अनेक छात्र-छात्राओं और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता की।

पीएम श्री स्कूल करपावंड में बीईओ ने ली बैठक

देवी भागवत महापुराण का हुआ समापन...

परिस्थितियों में जल पर निर्भर होते हैं। कनेक्शन, बेहतर फाइबर नेटवर्क, आवश्यकताओं की स्थानीय जल साक्ष्य वीडियो भी दिखाए।

विकसित भारत युवा संसद 2026 : जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय में आपात का 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जिला स्तरीय संवाद

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में ''विकसित भारत एवं युवा संसद 2026'' जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आयोजन में संचालक ने पहले कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने युवाओं को संसद की कार्यप्रणाली, नियमों एवं कानून निर्माण प्रक्रिया को समझने हेतु ऐसे मंचों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा।

स्वागत उद्बोधन डॉ. सजीवन कुमार ने दिया। प्रोफेसर शरद नेमा ने कहा कि युवा संसद के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार लोकतांत्रिक तरीके से रखने का अवसर मिल रहा है। जयराम दास सदस्य, विद्या एवं मूल्यांकन बोर्ड, ने विकसित भारत की संकल्पना पर बल देते हुए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन को आवश्यक बताया। समाजसेवी यज्ञ सिंह ने इसे जिला से राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभा को आगे बढ़ाने का सशक्त मंच बताया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भुनेश्वर लाल साहू ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस आयोजन में मुख्य अतिथि प्रोफेसर स्वप्न कुमार कोले, विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान एवं जनजाति अध्ययनशाला, प्रोफेसर एस. मिश्रा, डॉ. संजीवन कुमार (कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस), डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. सुकृता तिर्की, डॉ. मौसमी विश्वास (जिला संगठक एनएसएस बस्तर) सहित अन्य उपस्थित रहे।

उत्पीडन् और मानव तस्करी कानून पर चर्चा

सुरक्षा पर मंथन, एकीकृत तंत्र विशेष कार्यशाला आयोजित

बैठक लेते हुए कलेक्टर ने टाइम लिमिट की हिदायत दी

कलेक्टर ने अफसरों से कहा- किसी भी तरह के निर्माण में देरी नहीं चलेगी

सुंदरवन एवं कोलकाता का किया शैक्षणिक भ्रमण

शमक विवि के भूगोल अध्ययनशाला का आयोजन, गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना तंत्र की प्रमुख धाराओं के संगम क्षेत्र का किया अवलोकन

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भूगोल अध्ययनशाला के एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पश्चिम बंगाल स्थित यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सुंदरवन डेल्टा एवं कोलकाता शहर का एकेडमिक भ्रमण किया। यह भ्रमण भूगोल पाठ्यक्रम में सम्मिलित पेपर फील्ड स्टडी एंड जियोग्राफिकल एक्सकर्सन एंड रिपोर्ट के लिए निर्धारित एक सप्ताह के समुद्रतटीय क्षेत्र अध्ययन के तहत किया गया। विद्यार्थियों ने 17 से 21 फरवरी तक फैकल्टी डॉ राकेश कुमार खरवार के नेतृत्व में रॉयल बंगाल टाईगर के हैबिटेट के रूप में प्रसिद्ध सुंदर वन एवं नदी डेल्टा की भू आकृति, तटीय परितंत्र, प्राकृतिक संसाधन, मानवीय क्रियाकलापों एवं अन्य भौगोलिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को दस हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस मैंग्रोव वन और पूर्वी तट को लेकर पाठ्यपुस्तक के अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से देखने का अवसर मिला।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सुंदरवन क्षेत्र में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना तंत्र की प्रमुख धाराओं के संगम क्षेत्र का अवलोकन किया। लगभग छह घंटे के जंगल सफारी के दौरान सघन मैंग्रोव वन, ज्वारीय प्रभावों तथा द्वीपीय संरचनाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। वहीं सुंदरखली, बाली सहित अनेक द्वीपों का भ्रमण कर डेल्टा निर्माण की प्रक्रिया, अवसादन तथा जल-प्रवाह प्रणाली की विशेषताओं को समझा। विशेष रूप से विद्यार्थियों ने उच्च ज्वार व निम्न ज्वार की प्रक्रिया के स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान कोलकाता शहर के नगरीय व सांस्कृतिक भूगोल, दक्षिणेश्वर मंदिर, मेट्रो रेल प्रणाली, आर्क ब्रिज का अवलोकन किया। इस ज्ञानवर्धक भ्रमण में विद्यार्थियों को अनुसंधान कौशल विकसित करने का मौका मिला। यह स्टडी टूर विभागाध्यक्ष प्रो मणिशंकर मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। भ्रमण में चंदन, खिरदेव कश्यप, निशा सोनी, सोड़ी राजू, विनीत कुमार बघेल, गोमती, कार्तिक, रितिका नागेश और रमेश शामिल थे।

प्रतियोगिता

शमक विवि में ऑनलाइन एजुकेशन पर रखे गए तर्क

वर्चुअल या क्लास की पढ़ाई बेहतर पर वाद-विवाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

विश्वविद्यालय के कालीपुर कैंपस में वाद-विवाद स्पर्धा के लिए जुटे छात्र-छात्राएं।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ऑनलाइन एजुकेशन बनाम ट्रेडिशनल क्लासरूम लर्निंग विषय पर वाद-विवाद स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस सम-सामयिक स्पर्धा में करीब 50 विद्यार्थियों ने आठ टीम बनाकर भागीदारी दी। इसमें से छह टीमों ने पारंपरिक तरीके से आयोजित किए जा रहे क्लासरूम में अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया के पक्ष में अपने तर्क रखे। केवल दो टीमों ने ऑनलाईन एडुकेशन को अच्छा बताया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने कहा कि ऑनलाईन के लिए तकनीकी सुविधा होने के बावजूद युवा क्लासरूम में आकर पढ़ना पसंद करते हैं। कक्षा शिक्षक के सानिध्य में आकर पढ़ाई बेहतर होता है। ऑनलाइन एडुकेशन महज एक वैकल्पिक व्यवस्था है। यह स्पर्धा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को लेकर छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद के निर्देशानुसार विवि में आयोजित किए जा रहे विविध कार्यक्रमों की कड़ी में किया गया। स्पर्धा में निर्णायक के रूप में उपस्थित प्रो. मणिशंकर मिश्रा, डॉ. रश्मि देवांगन व शिवम सोनवानी के साथ कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिषेक अवस्थी, सहायक प्राध्यापक डॉ कुश कुमार नायक, डॉ नीरज कुमार वर्मा, अतिथि व्याख्याता डॉ. अनिता कबी, डॉ. सुजाता यादव, डॉ. कुसुमलता, डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ. सोहनलाल, डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. सुरेंद्र द्विवेदी, डॉ. विकास वैष्णव, डॉ. रवि मल्होत्रा, डॉ. अनिल भारद्वाज, संजय पांडेय, कीर्ति सिंह मेहरा, आशीष प्रधान, उज्ज्वल पुरी गोस्वामी, खिलेंद्र कुमार, कृतिका चंद्राकर, रूचि तिवारी, हिमांशी कदम, भारती वर्मा मौजूद रहे।

विश्व मानव विज्ञान दिवस पर शमक विवि में व्याख्यान का आयोजन

अफ्रीका के बाद भारत में सबसे अधिक निवास करती हैं जनजातीय : डॉ पीयूष

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

विश्व मानव विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन सभागार में इंडिजेनस वर्ल्डस ऑफ द अंडमान एंड निकोबार आईसलैंड, एन एंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय मानव विज्ञानं सर्वेक्षण संस्थान जगदलपुर के सुपरिटेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ पीयूष रंजन साहू ने कहा कि मानव विज्ञान में केवल जनजातीय समुदाय का ही अध्ययन नहीं किया जाता, बल्कि समस्त मानव समाज के सम्पूर्ण पक्षों का अध्ययन किया जाता है। जनजातियों के अध्ययन को वरीयता इसलिए दी जाती है क्योंकि यह समुदाय बहुत दिक्कत और संघर्ष का जीवन जीता है।

उन्होंने कहा कि मानव विज्ञान का लगभग सभी विषयों से सम्बंध है। मानव विज्ञान के रिसर्च में फील्ड में जाकर आब्जर्वेशन कर प्राइमरी डाटा संग्रह करना सबसे अनिवार्य होता है। स्क्रेच नोट, हेड नोट एवं फील्ड डायरी जरूरी हो जाता है। नए शोधार्थियों को अपने बॉडी लैंग्वेज पर भी ध्यान देना चाहिए। फील्ड वर्क के दौरान आप किसी कम्युनिटी के पास बेहतर नजरिए और सहृदयता के साथ जाएंगे तो डाटा कलेक्शन में दिक्कत नहीं होगी। डॉ पीयूष ने बताया कि विश्व के करीब पांच हजार प्रकार के जनजातीय समुदाय में 750 जनजातीय समुदाय भारत निवासरत हैं। भारत में अफ्रीका के बाद सबसे अधिक जनजातीय निवास करते हैं। अंडमान-निकोबार के 572 द्वीप में केवल 72 द्वीप पर ही मानव रहते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो स्वपन कुमार कोले ने मानव विज्ञान के महत्व व प्रकार पर प्रकाश डाला। सह प्राध्यापक डॉ सुकृता तिर्की ने कहा कि मानव विज्ञान अध्ययन और रिसर्च में फील्ड वर्क एक लैंडमार्क है। कार्यक्रम का संचालन डॉ लखन लाल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ विनोद कुमार सोनी, डॉ सजीवन कुमार, डॉ शारदा देवांगन, डॉ प्रकाश कुमार एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने किया लामनी पार्क का एक्सपोजर विजिट

जगदलपुर, 17 फरवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लामणी पार्क के बायोडर्विसिटी का साइंटिफिक एक्सपोजर विजिट किया। इसमें विवि यूटीडी के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 84 विद्यार्थियों ने पार्क के पेड़-पौधे, जीव-जंतुओं एवं उनके रहवास का वैज्ञानिक अध्ययन किया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के एक विशेष प्रोजेक्ट के तहत स्टूडेंट्स को विज्ञान के विभिन्न पक्षों की जानकारी देने के लिए विवि द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विजिट के दौरान विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करने विज्ञान अध्ययनशाला के शिक्षक उपस्थित रहे।

बस्तर विश्वविद्यालय महिला खो-खो टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो महिला प्रतियोगिता के लिए चयनित

जगदलपुर, 13 फरवरी (देशबन्धु)। ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो महिला प्रतियोगिता का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीइज के तत्वावधान में फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर (उड़ीसा) में दिनांक 10 फरवरी से 13 फरवरी तक किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सात राज्यों के 37 विश्वविद्यालयों ने सहभागिता की, जिससे प्रतियोगिता का स्तर अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रहा। इस प्रतियोगिता में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर की महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की। नॉकआउट दौर में विश्वविद्यालय की येखिलाड़ियों ने जादवपुर यूनिवर्सिटी (पश्चिम बंगाल), सीएसटी यूनिवर्सिटी

भिलाई (छत्तीसगढ़), मां मानिकेश्वरी यूनिवर्सिटी (ओडिशा) तथा द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्धमान (पश्चिम बंगाल) जैसी मजबूत टीमों का सामना किया और अदम्य साहस, बेहतरीन टीमवर्क तथा उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए विजय प्राप्त की। इस शानदार जीत के साथ शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की महिला टीम ने पहली बार एआईयू के तत्वावधान में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो महिला प्रतियोगिता, जिसकी मेजबानी एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा की जाएगी, के लिए चालीफाई कर विश्वविद्यालय के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। खिलाड़ियों की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। यह सफलता न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे बस्तर अंचल के लिए गर्व का विषय है और आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

50 विज्ञान आधारित प्रश्नों से परखी गई विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शुक्रवार को विज्ञान प्रश्नों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस

- विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में 169 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक समझ और सामान्य ज्ञान का परिचय दिया। क्विज प्रतियोगिता में विज्ञान विषय से संबंधित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए, जिनमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा सामान्य विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल थे। प्रतियोगिता में कुल 169 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की और विज्ञान विषय के प्रति अपनी गहरी रुचि और जागरूकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञान का विस्तार करना रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है और वे विज्ञान के क्षेत्र में नए आयामों को समझने के लिए प्रेरित होते हैं। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीजीकॉस्ट) के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना और युवाओं को वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार की भावना विकसित करना है। क्विज प्रतियोगिता जैसे आयोजन विद्यार्थियों को विज्ञान के नए तथ्यों और अवधारणाओं से अवगत कराते हैं तथा उन्हें शोध और नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं।

अंडमान-निकोबार की जनजातियां अपने अस्तित्व व जीवन-निर्वाह के लिए कर रही हैं संघर्ष : डॉ. रंजन

जगदलपुर, 12 फरवरी (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के बीएड अध्ययनशाला द्वारा बुधवार को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की जनजातियां एवं उनकी संस्कृति विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर केंद्र के हेड डॉ पीयूष रंजन साहू ने अंडमान-निकोबार में रहने वाली ओंगे, जारवा व सेंटिनेलिज जनजातियों की जीवन पद्धति और संस्कृति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. पीयूष ने बताया कि सेवानिवृत सैनिक व समय-समय पर भारत के विभिन्न हिस्सों से लोगों के बसने से केंद्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार अब मिनी इंडिया का रूप ले लिया है पर वहां आज भी दुनिया की आइसोलेटेड जनजातियां अपनी पारंपरिक संस्कृति के साथ जीवन जी रही है। डॉ. पीयूष ने रिसर्च के दौरान अंडमान-निकोबार में बिताए अपने सात वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि वहां की जनजातियां अपने अस्तित्व व जीवन-निर्वाह (सर्वाइवल) के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनके पास भी रिच ट्रेडिशनल नॉलेज हैं। वे जिन खाद्य सामग्री का उपयोग करते हैं उनमें औषधीय गुण पाये जाते हैं। वे अपने देशज ज्ञान के आधार पर हजारों वर्ष पुरानी अपनी संस्कृति को बचाए हुए हैं। वे भोजन उपलब्धता के अनुसार अपना निवास भी बदलते रहते हैं। वहां वैसी भी विलुप्त होती जनजातियां हैं जिनकी कुल संख्या मात्र 37 ही हैं। डॉ. पीयूष ने कहा कि अंडमान-निकोबार की जनजातियों को अपनी जीवन पद्धति व संस्कृति के साथ जीने के लिए अवसर मिलते रहना चाहिए पर स्वास्थगत परेशानी से बचाने के लिए रेगुलेटेड इंटरवेंशन भी जरूरी है। डॉ. पीयूष ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से कहा कि वहां की जनजातियां बाहरी लोगों को अपने ही तरह समझती है इसलिए उनके लिए अनसिविलाइज्ड व होस्टाईल जैसे शब्द का इश्तेमाल करना गलत है। डॉ. पीयूष ने रिसर्च के पायलट स्टडी, रैपोर्ट इस्टैबलिशमेंट, फील्ड वर्क, टेबलरशा मेथडोलॉजी जैसे प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि अकादमिक कार्य में स्टूडेंट्स जहां भी जाएं वहां के कल्चर, ट्रेट्स, भाषा, व्यवहारिक नियमों को जरूर सीखने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अंडमान-निकोबार को लोग काले पानी की सजा और सेल्युलर जेल के लिए ज्यादा जानते हैं पर विद्यार्थियों को वहां के ट्राइबल कल्चर को भी समझना चाहिए। इससे पहले व्याख्यान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बीएड अध्ययनशाला की अध्यक्ष डॉ सुकृता तिर्की ने कहा कि बस्तर के युवाओं को अन्य क्षेत्र की जनजातियों के बारे में जानकारी होना चाहिए। >> शेष पृष्ठ 9 पर >

विश्वविद्यालय विस्तार के लिए करंजी की जमीन का होगा आवंटन

जगदलपुर@ पत्रिका. उच्च शिक्षा आयुक्त एवं रूसा परियोजना संचालक डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय का दौरा किया। यहां अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ अकादमिक बैठक की।

डॉ. देवांगन ने कहा कि बस्तर जैसे संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे राज्य शासन गंभीरता से रेखांकित करता है। डॉ. देवांगन ने अकादमिक कैलेंडर एवं नई शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने चित्रकोट मार्ग पर स्थित करंजी में विवि विस्तार के लिए मिल रही जमीन के आवंटन में हरसंभव सहयोग के लिए आश्वासन दिया। आगामी माह में विवि में एनईपी पर एक विशेष कार्यशाला बनाने की योजना बनाने कहा। डा शरद नेमा ने विवि की विकास यात्रा का पीपीटी प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। व संरचना विस्तार की जानकारी दी।

आयोजन

सात दिवसीय विशेष शिविर में बौद्धिक चर्चा, योग व व्यायाम को अपनाने मिली सीख

चोकर में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने लगाया एनएसएस शिविर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने ग्राम चोकर में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 12 फरवरी तक किया जा रहा है। शिविर के चतुर्थ दिवस का आयोजन उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी यज्ञ सिंह एवं एनएसएस समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार की उपस्थिति में आराधना संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

चतुर्थ दिवस की शुरुआत प्रातः प्रभात फेरी एवं योग-व्यायाम से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों के साथ ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता निभाई। प्रभात फेरी के दौरान ग्राम चोकर की गलियों में स्वच्छता, शिक्षा एवं नशा मुक्ति से संबंधित जागरूकता नारे लगाए गए। इस अभियान में ग्राम के छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी की।

इसी दौरान विश्वविद्यालय में पधारे विशेष अतिथि माननीय आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन, उच्च शिक्षा संचालनालय एवं परियोजना संचालक रूसा का एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा स्वयं निर्मित पुष्पगुच्छ भेंट कर तालियों की गूंज के साथ स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं

ग्राम चोकर में निर्धारित बौद्धिक परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आराधना संगीत समूह जगदलपुर के कलाकार रमेश राव, विजय कुमार सारथी एवं प्रवीण कुमार द्विवेदी ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यज्ञ सिंह ने अपने आशीर्वचन में स्वयंसेवकों को छात्र जीवन में मिले समाजसेवा के अवसर को सौभाग्य बताते हुए अनुशासन एवं देशभक्ति को एनएसएस की मूल प्रेरणा बताया।

बस्तर की शैक्षणिक छवि बदलने का समय, शिक्षा बने माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

प्रदेश उच्च शिक्षा के आयुक्त एवं रूसा परियोजना संचालक द्वारा सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में अधिकारियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों के साथ

- उच्च शिक्षा आयुक्त का शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में संवाद

महत्वपूर्ण अकादमिक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्यरत शैक्षणिक समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य शासन उनके प्रयासों को गंभीरता से रेखांकित करता है और उच्च शिक्षा क्षेत्र की सभी आवश्यकताओं को बिना किसी भेदभाव के पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि बस्तर को लेकर आज भी समाज में कई भ्रांतियां व्याप्त हैं,जबकि यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और संभावनाओं से भरपूर है। शिक्षा को माध्यम बनाकर इन धारणाओं को बदलने की आवश्यकता है ताकि बस्तर का वास्तविक और सकारात्मक प्रतिबिंब देश-दुनिया के सामने आ सके। उन्होंने विश्वविद्यालयों को अकादमिक कैलेंडर के सख्त पालन, एनईपी 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध कार्यप्रणाली अपनाने के सुझाव दिए।

विश्वविद्यालय की मांगों पर सहमति जताते हुए उन्होंने चित्रकोट मार्ग स्थित करंजी क्षेत्र में भूमि आबंटन सहित अकादमिक एवं गैर-अकादमिक कार्यों के लिए हरसंभव सहयोग, आवश्यक राजस्व संसाधन उपलब्ध कराने और आगामी माह में एनईपी 2020 पर विशेष कार्यशाला आयोजित कराने का आश्वासन दिया। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, नए पाठ्यक्रमों, शोध गतिविधियों और अधोसंरचना विकास की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव,कुलसचिव राजेश लालवानी सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ एवं नवनियुक्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

8 वर्षों की विकास यात्रा और भविष्य की रूपरेखा

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय की 18 वर्षों की शैक्षणिक एवं संस्थागत विकास यात्रा को पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत, पीएचडी अधिसूचनाएं, यूटीडी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक सुविधाएं, रूसा मद से निर्माणाधीन भवनों की प्रगति, शोध एवं नवाचार की दिशा में किए गए प्रयासों और आगामी शैक्षणिक योजनाओं की क्रमबद्ध जानकारी दी गई, जिससे विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशा स्पष्ट रूप से सामने आई।

विवि के पहले कर्मचारी की विदाई, सेवानिवृत्ति पर सम्मान

जगदलपुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में वरिष्ठ सहायक ग्रेड वन कर्मचारी दुष्यंत मेश्राम के सेवानिवृति पर शनिवार को सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। 1989 में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से अपनी सेवा शुरू करने वाले मेश्राम अपना 36 वर्षीय लंबा कार्यकाल पूरा कर 31 जनवरी को सेवानिवृत हुए। प्रतिनियुक्ति पर विवि आने पर वे 2011 से निरंतर यहां सेवाएं दीं। मेश्राम विवि के पहले कर्मचारी के रूप में सेवानिवृत हुए। अकादमिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मेश्राम के सुखद व दीर्घायू जीवन की कामना

जगदलपुर. भव्य समारोह में दुष्यंत मेश्राम का सम्मान कर विदाई दी गई।

करते हुए कहा कि किसी भी विवि की प्रगति में गैर-शिक्षक कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विवि की पहचान कर्मचारियों के सेवाभाव से भी होती है। कर्मचारी विवि के आधार होते हैं। मेश्राम की ईमानदारी, सेवाभाव और निष्ठा सराहनीय और प्रेरणीय है। समारोह में वरिष्ठ प्रो. डॉ. शरद नेमा, सहायक कुलसचिव देवचरण गावड़े, विवि कर्मचारी कल्याण संघ अध्यक्ष उदय पांडेय ने भी मेश्राम के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनके सरल व सादगी भरे व्यक्तित्व और कर्मठ योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि श्री मेश्राम ने हर जिम्मेदारी को निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। संस्था से सौंपे प्रत्येक कार्य को उन्होंने निपुणता व सूझ-बूझ के साथ किया। मेश्राम ने विवि के प्रारंभिक दौर में सेवाएं दी हैं। विवि को इनकी कमी महसूस होगी। विवि मेश्राम के कर्मनिष्ठ स्वभाव को सदैव स्मरण रखेगा। इस अवसर पर सेवानिवृत मेश्राम ने सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारियों व साथी-सहयोगियों से मिले स्नेह से वे अभिभूत हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में शत-प्रतिशत योगदान देने का प्रयास किया है। हर कार्य को पूरे मन से करने का प्रयास किया।